बाल भारती पब्लिक स्कूल
गंगा राम अस्पताल मार्ग
सत्र - 2013 - 14
कक्षा - आठ
विषय - हिंदी
नियत कार्य संख्या - 3

SA-1

पाठ्य पुस्तक - आदर्श बदला
व्याकरण - संबंध बोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक

प्र०1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए।
(क) सिपाही साधुओं को हथकड़ियाँ डालकर अकबर के दरबार में क्यों ले गए?
(ख) तानसेन ने क्या शर्त रखी थी?
(ग) साधुओं को क्या सजा सुनाई गई तथा दस वर्ष के बालक को क्यों छोड़ दिया गया?
(घ) गुरु ने बैजू से क्या प्रतिज्ञा करवाई?
(ङ) दरबार की ओर से क्या शर्तें सुनाई गई?
(च) अकबर ने क्या निर्णय सुनाया?

प्र०2. किसने किससे कहा?
(क) "मेरे साथ अनर्थ हुआ है, मुझ पर वज्र गिरा है।"
(ख) "तुझे वह शस्त्र दूँगा जिससे तू अपने पिता की मृत्यु का बदला ले सके।"
(ग) "तुम्हारे सिर पर आज शायद मृत्यु सवार हो रही है।"
(घ) "फूल मालाओं को अब यहाँ फिर मँगवाइए, तब मैं आपको संगीत विद्या में पूर्ण मानूँ।"
(ङ) "यह उपकार जीवन भर न भूलूँगा।"

प्र०3. उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
(क) "तुझे वह —— दूँगा जिससे तू अपने पिता की मृत्यु का बदला ले सके। (शास्त्र, शस्त्र)
(ख) आप साक्षात् ईश्वर हैं। आपका —— आजन्म नहीं भूलूँगा।" (प्रतिहिंसा, उपकार)
(ग) बैजू बावरा ने —— हाथ में लिया और जब उसके तारों को हिलाया तो जनता ब्रह्मानंद में डूब गई। (गिटार, सितार)

(घ) —— के स्पर्श से हिरणों को सुधि आई और वे चौकड़ी मरते हुए भागकर वृक्षों में छिप गए। (फलों, फूलों)

प्र०4. उचित वर्तनी पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) सींहासन, सिंहासन, सिंहसन।

(ख) भक्ती, भकती, भक्ति

(ग) श्रृद्धा, श्रद्धा, श्रदधा

(घ) आश्चर्य, आशचर्य, आषचर्य

प्र०5. शब्द के उचित अर्थ पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) ग्रीवा — (गर्दन, नाक)

(ख) धाक — (क्रोध, प्रभाव)

(ग) प्रतिहिंसा — (दया, बदला)

(घ) श्वेत केश — (काले बाल, सफ़ेद बाल)

प्र०6. ~~रिक्त~~ स्थानों की पूर्ति उचित संबंध बोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक से करें।

(क) श्रीराम सीता —— अयोध्या गए।

(ख) पैर में घावों —— उसका बुरा हाल है।

(ग) उसका घर मेरे घर —— ही है।

(घ) यात्री मंदिर —— जा रहे थे।

(ङ) नहाने —— पसीना सुखा लो।

(च) अनुशासन —— कोई देश उन्नति नहीं कर सकता।

(छ) प्रातः काल घूमने जाया करो, —— स्वास्थ्य ठीक रहे।

(ज) तुम मेरा कहना मान लो, —— बाद में रोओगे।

(झ) मैंने बहुत प्रयास किया, —— तुम्हारा काम नहीं हो सका।

(ञ) मेरे बोलने से बात बढ़ सकती थी —— मैंने चुप रहना ही ठीक समझा।

(ट) —— यहाँ तो बहुत गर्मी है।

(ठ) —— जो इस किताब को हाथ लगाया।

(ड) —— कितनी गंदगी है।

(ढ) —— यह तुमने बहुत अच्छा काम किया है।

(ण) —— कितना सुहावना मौसम है।